



12.9.19

प्रार्थी जगन्नाथ चौक दूरे मरणा  
दूर भाई दूरे हैं। वारिसों की  
भीर से कोई उपासीत नहीं है।  
मठ: दशव्यस वास्तु मिषध्याडा  
एवारीज की जयती है।  
राम